फोर कोर्नेर्स : क्वाड के एजेंडे पर

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

लेखक- सी. राजा मोहन (निदेशक, दक्षिण एशियाई अध्ययन संस्थान, सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय)

14 नवम्बर, 2018

''क्वाड सदस्यों को अभी भी अपने सामान्य एजेंडे को परिभाषित करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।''

अभी हाल ही में भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के समूह अर्थात के चतुर्भुज समूह के अधिकारियों ने बुधवार को सिंगापुर में मुलाकात की, उनके समक्ष चुनौती उनके सामान्य एजेंडे का सटीक वर्णन करना है।

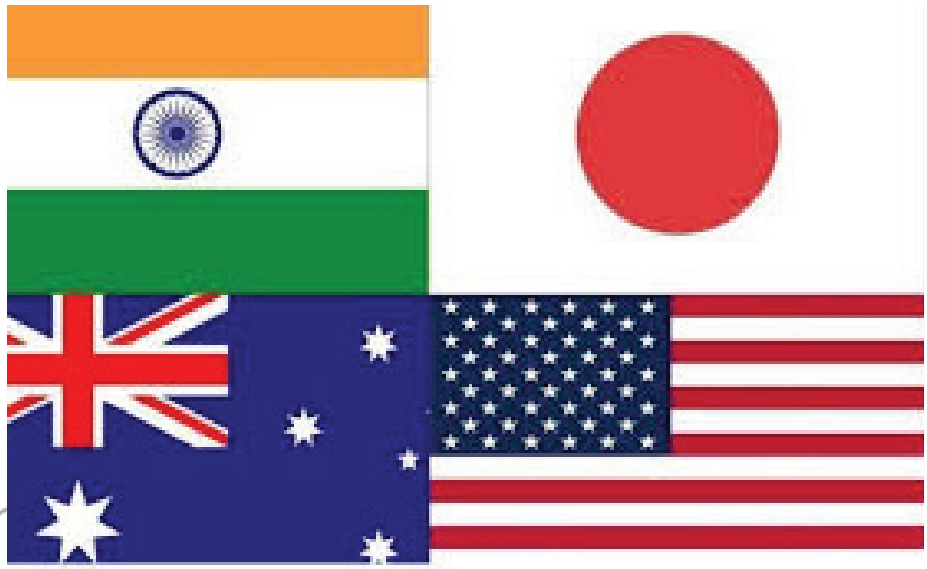

क्वाड को स्वतंत्र, खुले और समृद्ध भारत-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने और समर्थन करने के लिए साझा उद्देश्य के साथ एक चार शक्तिशाली लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है।

वर्तमान में, इन चार देशों से उन बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं पर चर्चा करने की उम्मीद की जा रही है जिन पर वे काम कर रहे हैं और मानवतावादी आपदा प्रतिक्रिया तंत्र का निर्माण कर रहे हैं।

पिछले कुछ महीनों में, भारत और जापान ने घोषणा की है कि वे बांग्लादेश में पुलों और सड़कों, श्रीलंका में एक एलएनजी सुविधा और म्यांमार के राखीन प्रांत में पुनर्निर्माण परियोजनाओं सहित दक्षिण एशिया में कई परियोजनाओं पर कार्य करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने बुनियादी ढांचे को वित्त पोषित करने और प्रशांत क्षेत्र में समुद्री और सैन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए एक महत्वाकांक्षी + 2 बिलियन परियोजना का अनावरण किया है, जिस पर वह अन्य क्वाड सदस्यों के साथ सहयोग करने को तैयार है।

चार देशों से क्षेत्रीय विकास के बारे में बात करने की उम्मीद है, जिसमें मालदीव में चुनाव, श्रीलंका में सरकार के पतन और उत्तर कोरिया में नवीनतम विकास शामिल हैं। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान क्वाड वार्ता आयोजित की जा रही है, क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी शिखर सम्मेलन और आसियान-भारत अनौपचारिक शिखर सम्मेलन में चर्चाओं में इन समूहों के बीच कुछ ओवरलैपिंग मुद्दे शामिल होंगे।

हालांकि, सहयोग की संभावना के बावजूद, क्वाड परिभाषित रणनीतिक मिशन के बिना एक तंत्र बना हुआ है। 2007 में, जब यह समूह सूनामी के बाद सहयोग के बाद पहली बार गठित किया गया था, तो विचार आपदा परिस्थितियों के लिए समुद्री क्षमताओं को बेहतर समन्वयित करना था।

2017 में पुनर्जीवित होने पर यह समूह इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते कदम को रोकने के लिए रणनीति तैयार कर रहा था, हांलाकि, इन्होने इस बात से इनकार किया था कि वो किसी विशेष देश को लक्षित किया गया था।

यहां तक कि इन्होने भौगोलिक क्षेत्र की एक आम परिभाषा को भी शामिल नहीं किया है। जहाँ एक तरफ वाशिंगटन अमेरिका और भारत को भारत-प्रशांत के सहायक के रूप में देखता है, तो वहीं दूसरी तरफ भारत और जापान ने अपनी परिभाषा में अफ्रीका तक महासागरों को शामिल किया है।

देखा जाये तो, भारत-प्रशांत के संदर्भ में क्वाड का पूरा ध्यान भूमि आधारित होने के बजाय सामुद्रिक है, जो यह सवाल उठाता है कि यह सहयोग एशिया-प्रशांत और यूरेशियाई क्षेत्रों तक फैला हुआ है या नहीं। समुद्री अभ्यास पर भी, सहमति की कमी है।

भारत ने कैनबरा के अनुरोधों के बावजूद अमेरिका और जापान के साथ मलाबार अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया को भर्ती नहीं किया है और एक अधिकारी से राजनीतिक स्तर पर बातचीत के स्तर को बढ़ाने का भी विरोध किया है।

तथ्य यह है कि भारत एकमात्र सदस्य है जो दूसरे क्वाड देशों के साथ एक संधि गठबंधन में नहीं है, जो कुछ हद तक प्रगति धीमा कर देगा, हालांकि प्रत्येक सदस्य एक मजबूत चतुर्भुज जुड़ाव बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिंगापुर में तीसरे दौर के नतीजे का आकलन समूह की संयुक्त घोषणा को जारी करने की क्षमता से किया जाएगा, जिसने इसे पहले और दूसरे राउंड में हटा दिया था।

क्वाड

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में क्वाड देशों के चार थिंक टैंकों द्वारा हिंद महासागर सुरक्षा पर नीति सिफारिशों पर एक रिपोर्ट का अनावरण किया गया है।
- क्वाड ग्रुपिंग ने हिंद महासागर सुरक्षा पर चर्चा की।
- क्वाड देशों ने विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (वीआईएफ) में हिंद महासागर सुरक्षा पर नीति सिफारिशों पर एक रिपोर्ट लॉन्च की।

क्या है?

- क्वाड के चतुर्भुज गठन में जापान, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं और इस क्षेत्रीय गठबंधन को ही क्वाड कहा जाता है।
- इस विचार को पहली बार जापानी प्रधान मंत्री शिन्जो आबे ने 2007 में पेश किया था।
- जिस प्रकार से दो देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध और तीन देशों के मध्य त्रिपक्षीय संबंध बनते हैं, ठीक उसी प्रकार वार्तालाप और सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से चार देशों का एक मंच पर आना एक बेहतर प्रयास है।
- इसका उद्देश्य पूर्ववर्ती 'एशिया-प्रशांत संकल्पना' के स्थान पर 'हिंद-प्रशांत संकल्पना को स्वरूप देना है।
- यह चतुष्कोणीय गठबंधन इस सामरिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य उपस्थिति के बीच 'मुक्त' रखने में महत्त्वपूर्ण साबित होगा।

भारत के लिए महत्त्वपूर्ण क्यों?

- क्वाड को फिर से जिंदा करने की कई वजहें हैं। चीन के साथ हुए डोका-ला विवाद और बाद में 'बेल्ट रोड इनेशिएटिव' ने भारत को इसके लिए प्रोत्साहित किया, तो ऑस्ट्रेलिया और कुछ हद तक जापान के लिए ऐसा करने की बड़ी वजह द्विपक्षीय गठबंधन के प्रति डोनाल्ड ट्रंप सरकार की प्रतिबद्धता और 'क्वाड' के वायदों के तहत उन्हें मजबूत बनाने की मंशा है।
- अमेरिकी विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन की यात्रा से भी यही लगता है कि वाशिंगटन की मंशा इस क्षेत्र में अधिक से अधिक संबंध मजबूत करने की है।
- यह नाटो की तरह का संगठन हो सकता है, जिसे 'रूस को बाहर रखने, अमेरिका को शामिल करने और जर्मनी का कद छोटा करने में' सफलता मिली थी। इसी कारण कई पर्यवेक्षकों ने इस नए संगठन को चीन को घेरने के एक औजार के रूप में परिभाषित किया है।
- हालांकि एक प्रभावशाली संगठन बनने के लिए इसे नाटो के नक्शेकदम पर भी चलना चाहिए, यानी उसे 'चीन को बाहर रखना होगा, अमेरिका को शामिल करना होगा और जापान को कम महत्व देना होगा'।
- यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस क्षेत्र को लेकर वाशिंगटन की प्रतिबद्धता महज कहने भर की न रह जाए, बल्कि वह इसके लिए गंभीर भी बने।

इंडो-पैसिफिक

- इंडो-पैसिफिक शब्द का इस्तेमाल समुद्री जीवविज्ञानी उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर से लेकर पश्चिम व मध्य प्रशांत महासागर तक पसरे पानी के विस्तार को परिभाषित करने के लिए करते रहे हैं।
- मगर 21वीं सदी की शुरुआत में इस शब्द को भू-राजनीतिक शब्दावली में जगह मिली और यहां यह अपनी वैज्ञानिक परिभाषा से कहीं अधिक विवादास्पद साबित हुआ।
- यह क्षेत्र 20वीं सदी में विभिन्न देशों और एक ही मुल्क के अलग-अलग राज्यों के बीच खूनी संघर्षों का गवाह तो बना ही, विफल, संभावित और स्थापित परमाणु शक्ति संपन्न देशों के बीच निकट भविष्य में तनाव के बीज भी यहां खूब दिखते हैं।
- एक मजबूत सुरक्षा व्यवस्था के न होने से यहां ऐसे तनाव की आशंका ज्यादा है। इस लिहाज से चतुष्कोणीय सुरक्षा वार्ता (क्वाड) को फिर से जीवंत करने की कोशिशों को देखें, तो यह एक उल्लेखनीय कदम है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. 'क्वाड समूह' में निम्नलिखित में से कौन-कौन से देश शामिल है?

1. भारत
2. जापान
3. सिंगापुर
4. अमेरिका

कूट:-

(a) 1, 2 और 3
(b) 1, 3 और 4
(c) 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

2. 'चतुर्भुज समूह' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह एशिया-प्रशान्त देशों का एक समूह है।
2. इस समूह में चीन भी एक सदस्य देश है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

3. हाल ही में 'चतुर्भज समूह' देश के अधिकारियों की निम्नलिखित में से कहाँ पर बैठक सम्पन्न हुई?

(a) फिलीपीन्स
(b) सिंगापुर
(c) ऑस्ट्रेलिया
(d) भारत

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. हाल ही में क्वाड समूह अपने एजेंडे को परिभाषित करने में चुनौतियों का सामना कर रहा है। फिर भी यह समूह एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास के लिये महत्त्वपूर्ण है। विश्लेषण कीजिए।

(शब्द-250)

नोट :

13 नवम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(a), 2(c) और 3(c) होगा।

Committe